अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : आठवीं – जैन धर्म भूषण (परीक्षा 21 जुलाई, 2019)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से काम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- 10x1 = (10)

(a) टक्कर शस्त्र है-

(क) पृथ्वीकाय का (ख) अप्काय का

(ग) वायुकाय का (घ) वनस्पतिकाय का ( )

(b) खटमल जीव है-

(क) अण्डज (ख) सम्मूर्च्छिम

(ग) रसज (घ) स्वेदज ( )

(c) साधक द्रव्य और भाव से मुण्डित होकर अणगार वृत्ति को ग्रहण करता है तब स्पर्श करता है-

(क) संवर धर्म को (ख) श्रमण धर्म को

(ग) केवल ज्ञान को (घ) केवल दर्शन को ( )

(d) योग की प्रवृत्ति से उत्पन्न आत्मा के शुभाशुभ परिणाम कहलाते हैं-

(क) संज्ञा (ख) लेश्या

(ग) दृष्टि (घ) कषाय ( )

(e) 'नवगैवेयक में किस सूत्र के अनुसार तीन दृष्टि पायी जाती है-

(क) जीवाजीवाभिगम सूत्र (ख) ठाणांग सूत्र

(ग) जम्बूद्वीप प्रज्ञप्ति (घ) उत्तराध्ययन सूत्र ( )

(f) भवनपति वाणव्यन्तर ज्योतिषी और प्रथम-द्वितीय देवलोक की दण्डक की अपेक्षा से गति है-

(क) 02 (ख) 03

(ग) 05 (घ) 01 ( )

(g) भौतिक वस्तुओं व सुखों में विशेष ममत्व होना कारण है-

(क) क्रोधोत्पत्ति (ख) मानोत्पत्ति

(ग) मायोत्पत्ति (घ) लोभोत्पत्ति ( )

(h) अरिहंत प्ररूपित धर्म की श्रद्धा व आराधना से होने वाले फल का निर्देश वीरत्थुइ की किस गाथा में किया गया है-

(क) प्रथम (ख) द्वितीय

(ग) 26वीं (घ) 29वीं ( )

(i) आयताकार पर्वतों में श्रेष्ठ है-

(क) रुचक (ख) निषध

(ग) सुमेरू (घ) स्तनित ( )

(j) जघन्य आराधना वाला भी चार अनुत्तर विमान में जा सकता है, यह तथ्य पुष्ट करने वाला आगम है-

(क) सुखविपाक (ख) पन्नवणा

(ग) भगवती (घ) औपपातिक सूत्र ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1=(10)**

(a) अग्नि, नमक आदि शस्त्रों से अचित्त बनी हुई के अतिरिक्त शेष वनस्पति अचित्त मानी गई है। ( )

(b) 'किलिंचेण वा' का अर्थ 'खपाटी' से है। ( )

(c) कर्मबंध के कारणभूत हिंसा, झूठ आदि आश्रवों को साधक रति भाव द्वारा रोक देता है। ( )

(d) जीव के सामान्य विशेषात्मक बोधरूप व्यापार को योग कहते हैं। ( )

(e) पाँचवी नरक के नेरिये की स्थिति जघन्य 10 सागरोपम उत्कृष्ट 17 सागरोपम है। ( )

(f) असन्नी मनुष्य में एक दर्शन होता है। ( )

(g) 'मान विनय गुण को नष्ट करता है।' यह भाव उत्तराध्ययन सूत्र में फरमाया है। ( )

(h) 'वीरत्थुइ' सूत्रकृतांग सूत्र के प्रथम श्रुतस्कन्ध के छठे अध्ययन से ली गई है। ( )

(i) 'अपगंडसुक्कं' का अर्थ 'जल के फेन के समान शुक्ल' है। ( )

(j) जहाँ उत्कृष्ट चारित्राराधना होती है, वहाँ उत्कृष्ट दर्शनाराधना की नियमा है। ( )

प्र.3 निम्नलिखित में क्रम से सही जोड़ी मिलाकर उत्तर रिक्तस्थान में लिखिए:- **10x1=(10)**

(a)	वायुकाय	(क) 1000 योजन	.....
(b)	त्रस	(ख) यथाख्यात चारित्र	.....
(c)	अदत्तादान	(ग) मण्डलवात	.....
(d)	नारकी और देवों में योग	(घ) सम्मूर्च्छिम	.....
(e)	जलचर उत्कृष्ट अवगाहना	(च) 5	.....
(f)	सन्नी तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय में समुद्घात	(छ) 11	.....
(g)	संज्वलन क्रोध	(ज) वलयाकार	.....
(h)	रूचक	(झ) अल्प	.....
(i)	कषाय	(य) क्षीण वीतरागता	.....
(j)	चारित्राराधना	(र) अध्यात्म दोष	.....

प्र.4 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मैं थैली से उत्पन्न होने वाला त्रस जीव हूँ। .....

(b) मैं अधर्म का द्वितीय द्वार हूँ। .....

(c) मैं ज्ञानपूर्वक होने पर ही लाभकारी हूँ। .....

(d) मेरे द्वारा जीव शब्दादि विषयों को जानता है। .....

(e) मेरी उत्कृष्ट स्थिति 22 हजार वर्ष है। .....

(f) मुझमें एक मात्र समचौरस संस्थान ही पाता है। .....

(g) मैं सन्तोष के विचार जागृत करने पर ही मिल सकता हूँ। .....

(h) मेरे सबसे ऊपर पण्डक वन है। .....

(i) मैं पक्षियों में सबसे श्रेष्ठ हूँ। .....

(j) मेरे रहते हुए जीव सात बोलों का बंध नहीं करता है। .....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए: - **12x2 = (24)**

(a) सव्वभूयप्पभूयस्स, समं भूयाइं पासओ।
पिहियासव्वस्स दंतस्स, पावकम्मं न बंधइ।। गाथा का भावार्थ लिखिए।

.....

.....

.....

(b) छठे व्रत में साधक क्या प्रतिज्ञा करता है ?

.....

.....

.....

(c) निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए-

रूढपइट्ठेसु ..... लहित्तु .....

पिहुणेण ..... सयं .....

(d) पाँच स्थावर और असन्नी मनुष्य की अवगाहना लिखिए।

.....

.....

.....

(e) **नारकी और देवों में उपयोग लिखिए।**

.....

.....

.....

(f) **विकलेन्द्रिय और असन्नी तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय में प्राण लिखिए।**

.....

.....

.....

(g) **मान उत्पत्ति के कोई दो कारण लिखिए।**

.....

.....

.....

(h) **मित्रता जीवन के लिए क्यों आवश्यक है ?**

.....

.....

.....

(i) **लोभ को जीतने के कोई दो उपाय लिखिए।**

.....

.....

.....

(j) **गाथा को पूर्ण कीजिए-**

दाणाण.....

.....**नायपुत्ते।।**

(k) **निम्नलिखित अर्थ वाले प्राकृत शब्द लिखिए-**

योद्धाओं में ..... **स्थित** .....

अनुभव करते हैं ..... **संग्रह/संचय** .....

(l) **सुदंसणस्सेव जसो गिरिस्स, पवुच्चइ महतो पव्वयस्स।**

एतोवमे समणे नायपुत्ते, जाइ-जसो-दंसण-नाणसीले। गाथा का भावार्थ लिखिए।

.....

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर तीन-चार पंक्तियों में लिखिए : - **12x3 = (36)**

(a) **पच्छा वि ते पयाया, खिप्पं गच्छंति अमरभवणाइं।**
जेसिं पिओ तवो संजमो य, खंती य बंभचेरं य।। गाथा का भावार्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(b) **रिक्त स्थान की पूर्ति करके भावार्थ लिखिए-**

तवो गुण.....

.....**तारिसगस्स।।**

भावार्थ- .....

.....

.....

.....

(c) **कैसे साधु की सुगति दुर्लभ होती है ? कोई तीन विशेषताएँ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(d) **निम्न अर्थ वाले प्राकृत शब्द लिखिए-**

1. कभी विराधना न करे .....

2. प्राप्त कर लेता है .....

3. सर्वश्रेष्ठ .....

4. जब .....

5. ओला .....

6. जंगल में .....

(e) **गर्भज मनुष्य की उत्कृष्ट अवगाहना लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(f) **तीन विकलेन्द्रिय तथा पाँच असन्नी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की स्थिति लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(g) **युगलिक मनुष्य की अवगाहना लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(h) **पाँच स्थावर तथा असन्नी मनुष्य में लेश्या लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(i) निम्न गाथा को पूर्ण करते हुए उसका भावार्थ लिखिए-

से सव्वदंसी.....

.....अणाऊ।।

भावार्थ- .....

.....

.....

.....

(j) निम्न गाथा को पूर्ण करते हुए उसका भावार्थ लिखिए-

किरियाकिरियं.....

.....संजमदीहरायं।।

भावार्थ- .....

.....

.....

.....

(k) एक बार आराधक बना हुआ साधक 15 भवों तक लगातार आराधक ही बना रहे, यह आवश्यक नहीं। उक्त तथ्य को सिद्ध करने हेतु कोई दो प्रमाण दीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(l) तीन प्रकार की आराधनाओं में कौनसी आराधना प्रमुख है ? क्यों ? श्रुत परम्परा से आराधक किसे माना गया है ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....